C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No.

B–DTN–L–JSA

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

Paper—I

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

*Candidates should attempt Question Nos. **1** and **5** which are compulsory, and any **three** of the remaining questions selecting at least **one** question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

1. Comment on the following in about *150* words each : 15×4=60

   (a) "The State is a creation of nature and man is by nature a political animal." (*Aristotle*)

   (b) "The worth of a State ... is the worth of individuals composing it." (*J. S. Mill*)

   (c) Hobbes as an individualist

   (d) Views of Gandhi and Ambedkar on 'social justice'

2. *(a)* Make an assessment of the post-colonial understanding of State. 30

   (b) Examine the significance of the behavioural revolution in politics. 30

3. *(a)* It is said where there is no law there is no liberty. Give your views on this statement. 30

   (b) Examine the debate on the 'End of Ideology'. 30

4. *(a)* Attempt a comparative examination of the views of Marx and Weber on 'Power'. 30

   (b) Examine the 'Participatory Model of Democracy'. 30

खण्ड—क

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये, जो प्रत्येक लगभग *150* शब्दों में हो : 15×4=60

(क) "राज्य प्रकृति की कृति है और मनुष्य प्रकृति से एक राजनीतिक प्राणी है।" (*अरस्तू*)

(ख) "राज्य का महत्त्व ... उसे संघटित करने वाले व्यक्तियों का महत्त्व है।" (*जे० एस० मिल*)

(ग) एक व्यक्तिवादी के रूप में हॉब्स

(घ) 'सामाजिक न्याय' पर गाँधी और अम्बेदकर के विचार

2. (क) राज्य की उत्तर-उपनिवेशी व्याख्या का मूल्यांकन कीजिये। 30

(ख) राजनीति में व्यवहारवादी क्रान्ति के महत्त्व का परीक्षण कीजिये। 30

3. (क) कहा जाता है कि जहाँ कानून नहीं है वहाँ स्वतंत्रता नहीं है। इस कथन पर अपना मत व्यक्त कीजिये। 30

(ख) 'विचारधारा का अन्त' पर होने वाले विमर्श का परीक्षण कीजिये। 30

4. (क) मार्क्स और वेबर के 'शक्ति' सम्बन्धी विचारों का तुलनात्मक परीक्षण कीजिये। 30

(ख) 'जनतंत्र के सहभागी प्रतिमान' का परीक्षण कीजिये। 30

Section—B

5. Comment on the following in about *150* words each : 15×4=60

(a) Dalit perspective on Indian National Movement

(b) Significance of the Civil Disobedience Movement

(c) Role of National Commission for Scheduled Castes

(d) Trade unions as pressure group in Indian politics

6. *(a)* Examine the significance of the Directive Principles of State Policy in achieving the goal of socio-economic justice. 30

(b) In normal conditions, the Governor is a constitutional executive but in case of constitutional crisis, he can become a powerful and effective executive. Discuss. 30

7. Critically examine and comment on the assertions given below in about *200* words each : 20×3=60

(a) It is not constitutional law but political factors that ultimately determine Centre-States relations in India.

(b) Indian politics has influenced caste and caste has influenced Indian politics.

(c) Secularism in Indian politics is a myth.

खण्ड—ख

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये, जो प्रत्येक लगभग *150* शब्दों में हो : 15×4=60

(क) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का दलित परिप्रेक्ष्य

(ख) सविनय अवज्ञा आन्दोलन का महत्त्व

(ग) अनुसूचित जातियों के लिये राष्ट्रीय आयोग की भूमिका

(घ) भारतीय राजनीति में दबाव समूह के रूप में श्रमिक संघ

6. (क) सामाजिक-आर्थिक न्याय की प्राप्ति में राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों की महत्ता का परीक्षण कीजिये। 30

(ख) सामान्य परिस्थिति में राज्यपाल एक सांविधानिक कार्यपालक के रूप में कार्य करता है किन्तु संवैधानिक संकट की स्थिति में वह एक शक्तिशाली और प्रभावी कार्यपालक हो सकता है। विवेचन कीजिये। 30

7. निम्नलिखित दृढ़कथनों का लगभग *200* शब्दों में समालोचनात्मक रूप से परीक्षण कीजिये और उन पर टिप्पणियाँ लिखिये : 20×3=60

(क) अन्ततः सांविधानिक कानून के स्थान पर राजनीतिक कारक भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्धों का निर्धारण करते हैं।

(ख) भारतीय राजनीति ने जाति को प्रभावित किया है और जाति ने भारतीय राजनीति को।

(ग) भारतीय राजनीति में पन्थ-निरपेक्षता एक मिथक है।

8. *(a)* Make an assessment of the role of the Election Commission of India in the conduct of free and fair elections. 30

(b) Examine the changing pattern of electoral behaviour in India. 30

8. (क) स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचनों के सम्पादन में भारतीय निर्वाचन आयोग की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। 30

(ख) भारत में मतदान व्यवहार के बदलते स्वरूप का परीक्षण कीजिये। 30

★ ★ ★

B–DTN–L–JSA

राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

प्रश्न-पत्र—I

समय : तीन घण्टे	पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.